

72

श्री १२५





गोरेक गांव से गोरेक सुरवा रहलक।  
वो दोज दिन बिराजे - बिराजे बोलन  
रहलक। उके सुरवाके अरसी सबजान  
रहलेंदें। ओही गांव लगी गोरेक सिध  
रहन रहें। जे सुरवा के एकरकुर आधक  
खोजन रहें।



एक दिन सुलगा बोलन रहे। ओहो बेरा  
सिधला आलक हरे सुलगा के धरलकुन  
आनन रहे। ओहो बेरा जोदेक अदमी देख  
ओक। ओ अदमी बुन करेक लावलाक।  
धरला ना - धरला ना सिधला मोर सुलगा  
के लखी।



वाँव कर अदमीसन गोठी-डेवा एइरकुन  
कुदायक गोवाबियं / सिधल आउर जोर से  
आओक गोकरमेक / एवने सुएवा कनयेक,  
गोयं काले आवाबिय कइर दे जी जोर  
सुएवा नके / सिधल के सुएवा कर जोइर  
केस गोवाबियक / आउर कनयेक -





ਸਾਹਿਬੁ ਸੁਆਮੀ ਨਿਭੇ / ਸਿਖਲਾ ਕਰੇ ਸੁੰਨ  
ਤਵਰਿ ਵੀਖਿਕ ਵਰਨੇ ਸੁਆਮੀ ਫੁਰਿਦ ਵੀਖਿਕ  
ਆਤਰ ਆਵਧੀਅਨ ਘਟੇ ਆਵੀਕ ਆਖਿਕ  
ਸਿਖਲਾ ਆਖਨ ਕਰਨੀ ਸੇ ਪਛਾਪਕੁਕਰ  
ਵਰਿਨ ਵੀਖਿਕ /